



**ENROLL
NOW!**

ST. PAUL TEACHERS' TRAINING COLLEGE BIRSINGHPUR

WHAT WE OFFER

**CERTIFICATE COURSE IN
COMPUTER APPLICATION
(Course Code- CCA2022)
60 Hours Course
Start from 16.01.2023**

**Under Guidance of
Dr. Roli Dwivedi
Principal**

**Trainer
Mr. Nand Kishor Kumar
ICT Lab Asst.**

CERTIFICATE COURSE IN COMPUTER APPLICATION

DURATION - 2 MONTHS

- 1. COMPUTER FUNDAMENTAL(12 HOUR)**
- 2. WORD PROCESSOR (10 HOUR)**
- 3. MS EXCEL(20 HOUR)**
- 4. POWER POINT (8 HOUR)**
- 5. INTERNET (10 HOUR)**



PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

CERTIFICATE COURSE IN COMPUTER APPLICATION

SYLLABUS- COMPUTER FUNDAMENTAL(12 HOUR)

Introduction to computer

- I. Definition
- II. Component
- III. Features
- IV. Limitations
- V. Applications

Evolution & development of computer

- I. Development History
- II. Classification of development
 - A. First generation
 - B. Second generation
 - C. Third generation
 - D. Fourth generation
 - E. Fifth generation

Types of Computer

- I. Classification on working Technology
- II. Classification on Size & work

Input output devices

- I. Pointing input device
- II. Audio input device
- III. Video input device
- IV. Character recognition input device
- V. Special input device

Output device

- I. Monitot
- II. Printer
- III. Plotter
- IV. Speaker
- V. Projector

Storage device(Memory)

- I. Primary
 - A. Ram



PRINCIPAL
St Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhazuri, Samastipur

B. Rom

II. Secondary

- A. Magnetic Disk
- B. Optical Disk
- C. Electronic Disk

Cloud storage

Software

Introduction

Types

System Software

- A. Operating Software
- B. Language Translator

Application Software

- A. Word processor
- B. Spreadsheet
- C. Presentation software

Utility software

- A. Antivirus
- B. Backup
- C. File manager



PRINCIPAL

St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

CERTIFICATE COURSE IN COMPUTER APPLICATION

SYLLABUS- WORD PROCESSOR (10 HOUR)

- Introduction
- Objectives
- What is Word Processor
- Word Basics
- Starting Word
- Introduction to Commands and Resources in Word Window
- Setting up Your Word Environment
- Creating a New Document
- Opening an Existing Document
- Saving a Existing Document
- Working with Multiple Documents
- Closing a Document
- Editing and Formatting Text
- Text Basics
- Formatting Text
- Formatting Paragraphs, Adding Lists and Working with Styles
- Working with Tables and Illustrations
- Document Formatting, Proofing and Printing Features
- Other Word Features
- Mail Merge



SL Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahur, Samastipur

CERTIFICATE COURSE IN COMPUTER APPLICATION SYLLABUS-MS EXCEL(20 HOUR)

- Introduction
- Objectives
- What is a Spreadsheet ?
- Excel Basics
- Starting Excel
- Commands and Resources in Excel Window
- Setting Up in Your Excel Environment
- Creating a New Workbook
- Opening an Existing Workbook
- Saving a Existing Document
- Working with Multiple Workbooks
- Closing a Workbook
- Closing Microsoft Excel
- Entering, Editing and Formatting Data
- Moving around the Worksheet
- Selecting Cells, Rows or Columns
- Selecting Cells
- Entering Data
- Deleting Data
- Editing Data
- Working with Cells, Rows and Columns
- Data and Formatting
- Formulas and Functions
- Formulas
- Create a Simple Formulas
- Create a Simple Formulas using Point and Click Method
- Using Cell References
- Linking Worksheets
- Functions
- Function Library
- Insert a Function
- Working with Worksheets
- Name a Worksheet
- Insert a New Worksheet
- Delete a Worksheet



ST. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Mauri, Samastipur

- Grouping Worksheets
- Ungrouping Worksheets
- Reposition Worksheets in a Workbook
- Hide Worksheets
- Formatting and Printing the Workbook
- Working with Tables and Charts
- Tables
- Create Table
- Sort Data
- Filter Data
- Charts
- Add Data
- Create Chart
- Apply Layout
- Add Labels
- Switch Data
- Change Chart Type,
- Chart Style or Data Range
- Move the Chart to a Different Worksheet
- Other Useful Excel Features
- Conditional Formatting
- Freeze Rows and Columns
- Find and Replace
- Add Comments
- Protect Worksheet
- Convert Text to Columns 130



St. Paul Teachers' Training Centre
 Birangpur
 Itanagar, Samsatpur

CERTIFICATE COURSE IN COMPUTER APPLICATION
SYLLABUS- POWER POINT (8 HOUR)

- **Introduction**
- **Objectives**
- **Basic Operations**
- **Creating a Presentation**
- **Inserting a new slide**
- **Opening and Saving a Presentation**
- **Applying a Theme to the Presentation**
- **Working with Pictures and Clipart**
- **Inserting a Picture**
- **Formatting the Picture**
- **Arrange the Pictures & Clip Art**
- **Working with Animation and Videos**
- **Apply built-in Animation effect to an object**
- **Adding Slide Transition**
- **Add and Play Movie in a Presentation**
- **Viewing and Printing the Presentation**
- **Rearranging and adding or deleting slides**
- **Viewing the Presentation**
- **Spell Check, Print Handouts and Notes**



PRINCIPAL
West Teachers' Training College
Dyaboli, Tal. Sionai
Dist. Sionai

ST. PAUL TEACHERS' TRAINING COLLEGE BIRSINGHPUR



WHAT WE OFFER

CERTIFICATE COURSE IN

YOGA FOR STRESS MANGEMENT

(Course code – YSM2022)

Under Guidance of

Dr. Roli Dwivedi

Principal

Trainer

Mr. Partha Ghosh

Asst. Prof.

योग द्वारा तनाव—प्रबन्धन

आज विश्वभर में मानसिक व्याधियाँ एक बड़ी समस्या बनकर उभर रही हैं। वर्तमान समय में हर उम्र के लोग मानसिक तनाव, चिन्ता या अवसाद आदि अनेक मानसिक व्याधियों से पीड़ित हो रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की वर्ष 2015 की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में लगभग 5 करोड़ लोग मानसिक तनाव से ग्रस्त हैं। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि 5 करोड़ मानसिक तनाव के मरीजों के अलावा लगभग 3 करोड़ लोग गहरी चिन्ता से भी ग्रस्त हैं। विज्ञप्ति के अनुसार पूरी दुनिया में लगभग 33 करोड़ लोग मानसिक तनाव की भिन्न-भिन्न बीमारियों से ग्रस्त हैं, जिनमें ज्यादातर लोग भारत और चीन में हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत एवं भारत जैसे -

मध्यम कमाई वाले कई अन्य देशों में आत्महत्या करने की घटनाएँ सबसे ज्यादा मानसिक तनाव के कारण बढ़ रही हैं। साथ ही यह भी कहा गया कि विश्वभर में होने वाली कुल आत्म हत्याओं के पीछे मानसिक तनाव सबसे बड़ा कारण है।

वर्तमान समय में हर वर्ग का व्यक्ति किसी न किसी मानसिक रोग से पीड़ित है, चाहे वह डॉक्टर हो या फिर अध्यापक, चाहे वह युवा हो या फिर सामान्य जन इण्डियन मेडिकल एसोसिएशन के एक सर्वे के अनुसार देश में चिकित्सा व्यवसाय से जुड़े लगभग 80 प्रतिशत से अधिक लोग डॉक्टर तनाव से ग्रसित रहते हैं। वहीं निजी सेवा क्षेत्र में काम करने वाले लगभग 50 प्रतिशत से अधिक लोग स्थाई तनाव से ग्रसित रहते हैं। आँकड़े यह भी बताते हैं कि भारत में होने वाली कुल आत्म हत्याओं में से 7.5 प्रतिशत आत्महत्या करने वाले व्यवसायिक लोग ही होते हैं विश्व गानसिक स्वास्थ्य महासंघ (World Mental Health Federation) के अनुसार कार्यस्थल पर काम के तनाव के चलते बहुत से लोग मानसिक तनाव से जूझ रहे हैं। प्रत्येक 5 व्यक्तों में से 1 व्यक्ति गानसिक समस्याओं का शिकार है।

इक्कीसवीं सदी में मनुष्य ने अनेक मानसिक समस्याओं के साथ प्रवेश किया है दिन-प्रतिदिन बढ़ती हुई सूचना तकनीक संचार क्रान्ति तथा यान्त्रिकता ने मानवीय जीवन में साधन - सुविधाओं की भरमार के साथ मानसिक स्वास्थ्य में अनेकों संकट भी खड़े कर दिये हैं। फलस्वरूप मनुष्य का जीवन अपेक्षाकृत अधिक तनावग्रस्त एवं विषादपूर्ण हो गया है। मानसिक चिकित्सा की प्रचलित विधियाँ तथा मनोनिश्लेषण के तौर-तरीके मिल-जुलकर भी इस चुनौती का सागना करने में नाकाम रहे हैं।

परिचय परिचय :

आधुनिक परिवेश में मनुष्य का जीवन विभिन्न समस्याओं से ग्रस्त है। शारीरिक, मानसिक, सामाजिक तथा व्यवसायिक आदि परिस्थितियाँ उसके सामने अनेक समस्याएँ पैदा कर देती हैं। जब मनुष्य का शरीर और मन संवेदनशील होकर इन परिस्थितियों का उमंग, उत्साह, साहस, दृढ़ता, धैर्य तथा संकल्प आदि सकारात्मक भावों से सामना करते हुए समस्याओं को सुलझा लेता है, तो ऐसी शरीर व मन की अवस्था को हम सकारात्मक तनाव की संज्ञा दे सकते हैं। इसके विपरीत जब कोई मनुष्य भय, व्याकुलता, निराशा, ईर्ष्या-द्वेष, घृणा, क्रोध तथा हिंसा इत्यादि से घिरकर विभिन्न समस्याओं का निराकरण नहीं कर पाता तो शरीर व मन की उद्विग्नता, उद्वेलित, चिन्ता या अवसादित स्थिति के कारण वह नकारात्मक मानसिक तनाव उत्पन्न कर लेता है। इससे मनुष्य की शारीरिक व मानसिक क्षमताएं नष्ट हो जाती हैं तथा शरीर पर नकारात्मक रूप से शारीरिक क्रियात्मक प्रभाव होने लगते हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि मानसिक तनाव एक ऐसी दशा है, जिसमें मनुष्य यह अनुभव करता है कि उसका हित संकट में है और इससे बचने के लिए व्यक्ति अपनी सारी शक्ति उस तरफ लगा देता है अतः तनाव उत्पन्न हो जाता है। मानसिक तनाव मन के क्रिया-कलापों को असन्तुलित अवस्था है। तनाव की स्थिति का निर्माण तब होता है जब मनुष्य परिस्थिति का सामना करने में असमर्थ हो जाता है, किन्तु भाग भी नहीं सकता। चूँकि तनाव आधुनिक जीवन शैली का अभिन्न अंग बन चुका है, किन्तु जब इसकी तीव्रता सामर्थ्य से परे हो जाती है, तो यह मानसिक तनाव रूपी व्याधि अर्थात् रोग का रूप ले लेता है। दीर्घावधि रूपी मानसिक तनाव विभिन्न प्रकार की मनोकायिक व्याधियों को उत्पन्न करता है। लगातार तनाव एवं चिन्ता की अवस्था में मस्तिष्क में अनावश्यक दबाव बढ़ने से व्यक्ति की स्मरण क्षमता भी कम होने लगती है अतः इस व्यापक सामाजिक रोग को समझना एवं इसकी समुचित यौगिक प्रबन्धन करना आवश्यक है।

आज का मानव आधुनिक जीवन शैली के परिवेश में विभिन्न प्रकार की पारिवारिक, शारीरिक, आर्थिक, सामाजिक तथा व्यवसायिक समस्याओं से जूझ रहा है क्योंकि उसके जीवन के उद्देश्य अर्थोपार्जन व सांसारिक विषय भोग तक ही सीमित रह गये हैं। मनुष्य कम समय में ही उचित-अनुचित माध्यमों को अपनाकर जीवन की महत्वाकांक्षाओं को पूर्ण करना चाहता है जब मनुष्य की इच्छायें उसकी शारीरिक व मानसिक सामर्थ्य से अधिक हो जाती हैं तथा नकारात्मक मानसिक संवेग उसकी मानसिक शक्ति को क्षीण कर देते हैं, तो मनुष्य का शरीर व मन नकारात्मक रूप से प्रभावित होकर तनाव ग्रस्त हो जाता है। तनाव से मुक्ति पाने के लिए योग एक अचूक प्रणाली है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि तनाव से मुक्ति दिलाने में योग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, परन्तु इसके लिए सम्पूर्ण योग के अभ्यास की आवश्यकता है जब तक व्यक्ति के व्यक्तित्व का सम्यक रूप से विकास नहीं होगा, तब तक व्यक्ति में ऐसी अन्तर्दृष्टि प्राप्त नहीं होगी, जो उसे जीवन और जगत को सही परिप्रेक्ष्य में दिखा सके। अतः तनाव से मुक्ति तभी सम्भव है, जब तक योग के सम्पूर्ण अभ्यासों से व्यक्ति के व्यक्तित्व के क्रिया-भाव संकल्प और ज्ञान के पक्ष को सुदृढ न बना दिया जाये।

यौगिक – संसाधन व संयमित जीवन – शैली शरीर व मन को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर तनाव के नकारात्मक प्रभावों को प्रतिकारित करने में सक्षम होते हैं तथा यौगिक संसाधनों का नियमित अभ्यास, मानसिक तनाव के उपचार के बाद भी मानसिक तनाव के प्रति प्रतिरोधात्मक शक्ति विकसित करने में भी सहायक होता है।

लक्षण –

- 1 हाथ-पैर कांपना।
- 2 पसीना आना।
- 3 बेचौनी व व्याकुल होना।
- 4 हृदय की धड़कन बढ़ना।
- 5 उच्च रक्तचाप होना।
- 6 गला सूखना।
- 7 श्वास की गति तेज होना।
- 8 बार-बार मल-मूत्र का वेग होना।
- 9 गर्दन, कंधे कमर व सिर में दर्द।
- 10 उंगलियों का ठण्डा होना।
- 11 चिड़चिड़ापन एवं क्रोध।
- 12 अनिद्रा, नींद का बार-बार टूटना।
- 13 असुरक्षा की भावना।
- 14 चिंतित रहना।
- 15 एकान्तवास की इच्छा।
- 16 चक्कर आना व बेहोश होना।
- 17 अकारण क्रोध आना।
- 18 अवसाद में रहना।
- 19 एकाग्रता का अभाव।
- 20 नशों में संलिप्त होने की कोशिश करना।
- 21 समय खराब करना या काम टालना।
- 22 नाखून चबाना।
- 23 नकारात्मक सोच।
- 24 अनिष्ट की आशंका बने रहना / भयभीत रहना।
- 25 याददास्त कमजोर होना।
- 26 सामाजिक, पारिवारिक व व्यवसायिक कार्यों में रूचि न लेना।
- 27 बैठे-बैठे घुटने व पैर हिलाना।
- 28 बार-बार उत्तेजक पदार्थ चाय कॉफी लेना।

29 बातचीत करते समय जल्दी जल्दी पलकें झपकाना ।

कारण —

आधुनिक परिवेश के सन्दर्भ में मानसिक तनाव की स्थिति निम्नलिखित कारणों से उत्पन्न हो सकती है :-

- 1 इच्छानुसार कार्य न होना ।
- 2 असंतोष रूपी मानसिक स्थिति ।
- 3 हड़बड़ी में रहना ।
- 4 तीव्र- प्रतिस्पर्धा का भाव ।
- 5 धन, पद, मान प्राप्ति की तीव्र इच्छा का पूर्ण न होना ।
- 6 परिवार में कलह, कष्ट बन रहना ।
- 7 असाध्य व दीर्घावधि रूपी शारीरिक बीमारियों से अस्वस्थ रहना ।
- 8 सामर्थ्य से अधिक कार्य का उत्तरदायित्व वहन करना ।
- 9 प्रियजन द्वारा धोखा देना ।
- 10 व्यवसाय में घाटा ।
- 11 नौकरी में अधिकारी द्वारा प्रताड़ना ।
- 12 अनैतिक आचरण का भय ।
- 13 नए स्थान पर समायोजित न हो पाना ।
- 14 क्रोध, चिन्ता, भय आदि नकारात्मक विचारों का प्राधान्य होना ।
- 15 शरीर में नवीन जैव-रासायनिक परिवर्तन होना ।
- 16 असफलता का भय ।
- 17 बेरोजगारी की समस्या ।
- 18 किसी भी प्रकार का नशा ।
- 19 गैरकानूनी काम धन्धा ।
- 20 अत्यधिक भावुक होना ।
- 21 रूखे स्वभाव वाला साथी ।
- 22 कार्यस्थल पर शोर-शरावे वाला माहौल ।
- 23 अधीनस्थ काम करने वाले अयोग्य लोग ।
- 24 यौन सम्बन्धों में असन्तुष्टि या प्रेम सम्बन्धों में असफलता ।
- 25 अपमान, तिरस्कार व नाराजगी ।
- 26 सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरणीय, जनसंख्यीय राजनीतिक व प्रशासनिक सम्बन्धित समस्याएँ ।

सर्टिफिकेट कोर्स

योग द्वारा तनाव प्रबन्धन

पाठ्यक्रम

प्रथम सप्ताह:-

सैद्धान्तिक (Theory)

योग की अवधारणा, योग का अर्थ एवं परिभाषाएँ, योग की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि / योग की परम्परा एवं इतिहास।

प्रयोगात्मक / क्रियात्मक (Practical)

- 1 सूक्ष्म व्यायाम (पैर, हाथ, कन्धे एवं गर्दन के व्यायाम)
- 2 पवनमुक्तासन समूह के आसन (चक्की चालन क्रिया, साइकिल चालन क्रिया, झूलना – लुढ़कना, शरीर को खींचना, अर्द्ध की क्रियासन, सुप्त पवनमुक्तासन, श्वासन आदि।)

द्वितीय सप्ताह:-

सैद्धान्तिक (Theory)

आधुनिक युग में योग की उपयोगिता, योग की विभिन्न साधना पद्धति ६ मार्ग राज योग, हठ योग, अष्टांग योग, ज्ञानयोग, भक्ति योग, कर्म योग।

प्रयोगात्मक / क्रियात्मक (Practical)

- 1 सूक्ष्म व्यायाम (पादागुल नमन, गुल्फ नमन, मुट्टी बांधना, मणिबन्ध नमन आदि।)
- 2 सूर्य नमस्कार
- 3 अर्द्ध स्थिति के आसन (जानु शीर्षासन, अर्द्ध पदमासन, अर्द्ध भुजंगासन, अर्द्ध शलभासन।)
- 4 श्वास-प्रश्वास का अभ्यास / यौगिक श्वसन।

तृतीय सप्ताह:-

सैद्धान्तिक (Theory)

विभिन्न शास्त्रों / ग्रन्थों में योग का स्वरूप – वेदों में योग स्वरूप, उपनिषदों में योग का स्वरूप, श्रीमद्भगवद गीता में योग का स्वरूप, जैन दर्शन में योग का स्वरूप, बौद्ध दर्शन में योग का स्वरूप, वेदान्त में योग का स्वरूप, आयुर्वेद में योग का स्वरूप।

प्रयोगात्मक / क्रियात्मक (Practical)

- 1 सूक्ष्म व्यायाम (जम्पिंग, जोगिंग, इंजन दौड़ आदि।)
- 2 आसन (सुखासन, पदमासन, ताडासन, त्रिकोण आसन, वज्रासन आदि।)
- 3 सूर्य नमस्कार
- 4 श्वास-प्रश्वास की क्रिया का अभ्यास / यौगिक श्वसन

चतुर्थ सप्ताह:-

सैद्धान्तिक (Theory)

योग की विभिन्न क्रियाओं का वर्णन

आसन – आसन का अर्थ एवं परिभाषाएँ, आसनों के प्रकार, विभिन्न आसनों की विधि, लाभ एवं सावधानियाँ।

प्राणायाम– प्राणायाम का अर्थ एवं परिभाषा, प्राणायाम के प्रकार, विभिन्न प्राणायामों की विधि लाभ व सावधानियाँ।

प्रयोगात्मक / क्रियात्मक (Practical)

- 1 सूक्ष्म व्यायाम (जम्पिंग, जोगिंग, इंजन दौड़ आदि।)
- 2 आसन (सुखासन, पदमासन, ताडासन, त्रिकोण आसन, वज्रासन आदि।)
- 3 सूर्य नमस्कार

- 4 नाडी शोधन / अनुलोम-विलोम प्राणायाम, भस्त्रिका प्राणायाम आदि।
- 5 योग निद्रा, ओम का उच्चारण

पंचम सप्ताह:-

सैद्धान्तिक (Theory)

स्वास्थ्य की परिभाषा, योग एवं स्वास्थ्य, स्वस्थ पुरुष के लक्षण।

प्रयोगात्मक / क्रियात्मक (Practical)

- 1 सूक्ष्म व्यायाम।
- 2 सूर्य नमस्कार
- 3 आसन (ताडासन, त्रिकोण आसन, उत्कटासन (कुर्सी आसन), उत्तानपादासन, पश्चिमोत्तानासन, मर्कटासन, मण्डूकासन आदि।)
- 4 प्राणायाम (नाडी शोधन / अनुलोम-विलोम प्राणायाम, भस्त्रिका प्राणायाम, शीतली व सीतकारी प्राणायाम आदि।
- 5 योग निद्रा, ओम का उच्चारण, त्राटक।

षष्ठ सप्ताह:-

सैद्धान्तिक (Theory)

योग एवं मानसिक स्वास्थ्य मानसिक स्वास्थ्य की अवधारणा एवं परिभाषाएँ मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारक।

प्रयोगात्मक / क्रियात्मक (Practical)

- 1 सूक्ष्म व्यायाम।
- 2 सूर्य नमस्कार।
- 3 आसन (ताडासन, त्रिकोण आसन, उत्कटासन (कुर्सी आसन), उत्तानपादासन, पश्चिमोत्तानासन, मर्कटासन, मण्डूकासन आदि।)
- 4 प्राणायाम (नाडी शोधन / अनुलोम-विलोम प्राणायाम, भस्त्रिका प्राणायाम, शीतली व सीतकारी प्राणायाम आदि।
- 5 योग निद्रा, ओम का उच्चारण, त्राटक।

सप्तम सप्ताह:-

सैद्धान्तिक (Theory)

तनाव के लिए योग - Yoga for Stress

तनाव की परेशानी आज ज्यादातर लोगों को है। तनाव के कई कारण हो सकते हैं जैसे की काम, वित्तीय, व्यक्तिगत या पारिवारिक संबंधी कारण। इस आम परेशानी से राहत पाने के लिए योग का सहारा लिया जा सकता है। हम यहाँ आपको कुछ ऐसे आसन बताएँगे जो आप रोज केवल 10 मिनट भी करेंगे तो तनाव से आराम महसूस करेंगे।

प्रयोगात्मक / क्रियात्मक (Practical)

- 1 कैसे तनाव में लाभदायक है योग
- 2 उत्तानासन है तनाव में लाभदायक
- 3 हलासन करेगा तनाव के उपचार में सहायता
- 4 शवासन करेगा तनाव की ट्रीटमेंट में फायदा
- 5 भ्रामरी प्राणायाम करेगा तनाव की ट्रीटमेंट में फायदा
- 6 तनाव और वात असंतुलन
- 7 तनाव और श्वास
- 8 तनाव और प्रत्याहार
- 9 तनाव को दूर करने का उपाय है जानुशिरासन



ST. PAUL TRAINING COLLEGE BIRSINGHPUR

30 hours Certificate Course

**Music Vocal Training
Certificate Course**

Course Code-MVTCCC2022

Start from 10.10.2022

Trainer

Mr. Sanjiv Kumar Singh

Asst. Professor (Music)

Under Guidance of

Dr. Roli Dwivedi

Principal





ST. PAUL TEACHERS' TRAINING COLLEGE BIRSINGHPUR

Music Vocal Training Certificate Course

Trainer Name: Sanjiv Kumar Singh (Asst. Professor)


Mobile No.: 8789174459

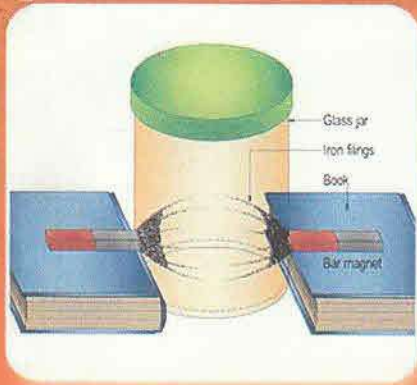
Course Description

A certificate in vocal music can lead to a variety of different career options. For example, a person may want to pursue a career as a songwriter, opera singer, or a music producer. While these occupations require a bachelor's degree, a certificate in vocal music will enable you to work directly with others and gain the knowledge you need to become an expert in your chosen field. To get a certificate in vocal music, you must submit a graduate application, transcripts, and letters. You will also need to have an audition with a committee of voice and music faculty. If you want to pursue a career in vocal music, a certificate in vocal education can help you get there. This program will help you develop self-expression, improvisation skills, and the ability to live in the present. The certificate can be earned at institute In addition; you will have the opportunity to choose your own path in the field of vocal music

प्राढ्यकम

- संगीत परिचय, संगीत पद्धति, संगीत के प्रकार
- स्वर अभ्यास, शुद्ध स्वर, विकृत स्वर
- स्वर सप्तक— मंद्र सप्तक, मध्य सप्तक, तार सप्तक
- ताल
- अलंकार, अलंकार के प्रकार, अलंकार अभ्यास
- पलटा, सरगम पलटा
- थाट अलंकार, जाति अलंकार,
- स्वरलिपी, गीत स्वरलिपी
- संगत करना


Principal
PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur



ST PAUL TEACHERS' TRAINING COLLEGE BIRSINGHPUR

30 hours Certificate Course

**“Model Making
Certificate Course”**

Course Code-MMCC2022

Start from 16.08.2022



Trainer

Mr. Narendra Kumar
Asst. Professor (Fine Art)

Under Guidance of

Dr. Roli Dwivedi
Principal



ST. PAUL TEACHERS' TRAINING COLLEGE BIRSINGHPUR

Model Making Certificate Course

Trainer Name: Narendra Kumar (Asst. Professor)

Mobile No.: 9939231767

About the Course:

Innovations in pre-service teacher education are the unexplored levers of change that can drastically improve the quality of our education system in the long run. Since we want our next generation to be equipped with 21st-century skills, it is essential that our teachers are prepared to teach in this new education paradigm. This program focuses on building foundational skills which form the basis of higher-order 21st-century skills like critical thinking, problem-solving, digital fluency, empathy, and collaboration.

Course Topic

Theory

- Introduction of Art & Craft
- Introduction of Materials
- Colour Theory

Craft with Paper

- Paper Craft
- Paper Collage
- Paper Origami
- Paper Bags
- Flower Making

Learn in Drawing

- Drawing Exercises
- Drawing Measurement
- Freehand Drawing

Creative Craft

- Card Board Craft
- Stencil Art
- Weaving Craft

Clay Craft

- Paper Work
- Relief Work

Principal

PRINCIPAL

**St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahur, Samastipur**

St. Paul Teachers' Training College Birsinghpur



CERTIFICATE COURSE IN

English Language

45 hrs.

Course Code - CCEL2023

Under Guidance of

Dr. Roli Dwivedi

Principal

Trainer

Hasan Abad

Asst. Prof.



B.Ed. 2022-24

*Syllabus of English Spoken & Personality Development for
45 Days.*


Part A

- ☛ Sentence and its types, simple, compound, complex.
- ☛ Parts of Speech.
- ☛ Articles and its uses.
- ☛ Tense and its types.
- ☛ Active and passive voice.
- ☛ Transformation of Sentences.
- ☛ Punctuation Mark.
- ☛ Spelling Rules.
- ☛ Figure of Speech.
- ☛ Letter Writing.
- ☛ Comprehension.
- ☛ Dialogue Delivery.
- ☛ Sound System – Stress, Syllable, Intonation.

Part B

- ☛ Role Play.
- ☛ Group Discussion.
- ☛ Extempore Topic for discussion.
- ☛ Communication Skills.
- ☛ Listening Skills.
- ☛ Body Language.
- ☛ Self Confidence.
- ☛ Public Speaking.
- ☛ Good Manners.
- ☛ Interview Tips.

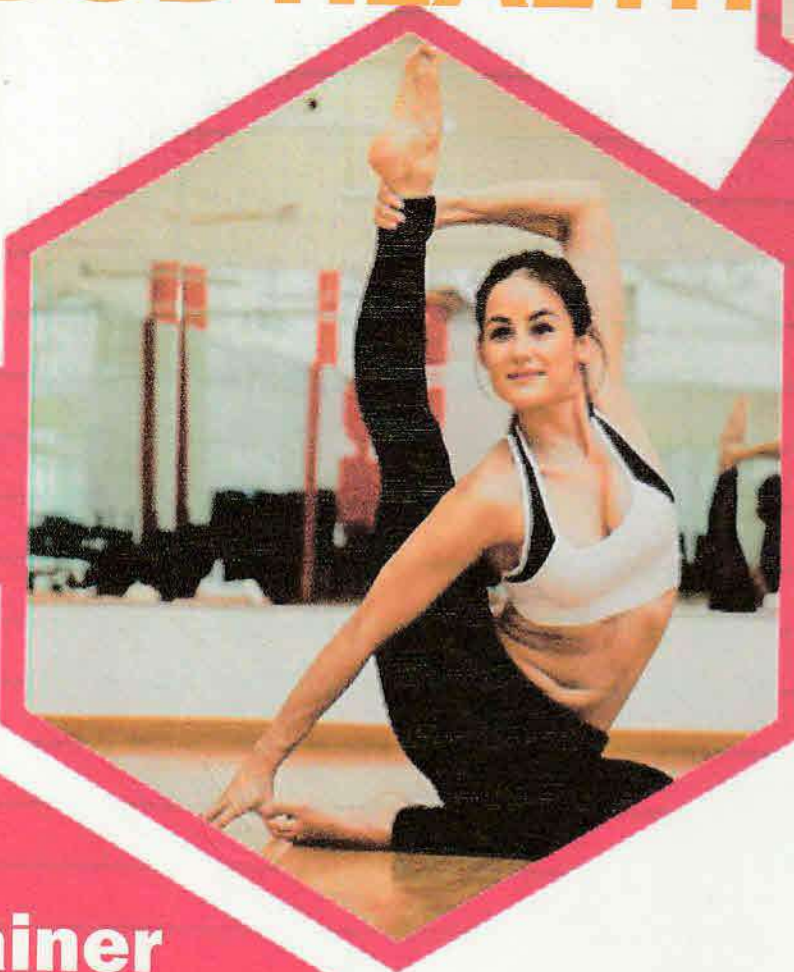
Masan Ahal


PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Dist. Samastipur



St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur

WHAT WE OFFER
YOGA
PROGRAMME
FOR
GOOD HEALTH



Course Code
YPGH2021

Under Guidance of
Dr. Roli Dwivedi
Principal

Trainer

Mr. Partha Ghosh
Asst. Prof.

St. Paul Teachers' Training College Birsinghpur

SYLLABUS

Session 2021-22

YOGA PROGRAMME FOR GOOD HEALTH		
	TOPIC	HOURS
UNIT -01	INTRODUCTION TO YOGA AND ASANA.	15hrs.
UNIT -02	PRACTICAL YOGA CLASS	20 hrs.
UNIT-03	PRANAYAM	14 hrs.
UNIT -04	HOW TO ARRENGE YOUR HEALTH BY YOGIC EXERCISE	20 hrs.
TOTAL HOURS		69 hrs.


PRINCIPAL
PRINCIPAL
St Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jharkhand, India



ST. PAUL TRAINING COLLEGE BIRSINGHPUR

30 hours Certificate Course

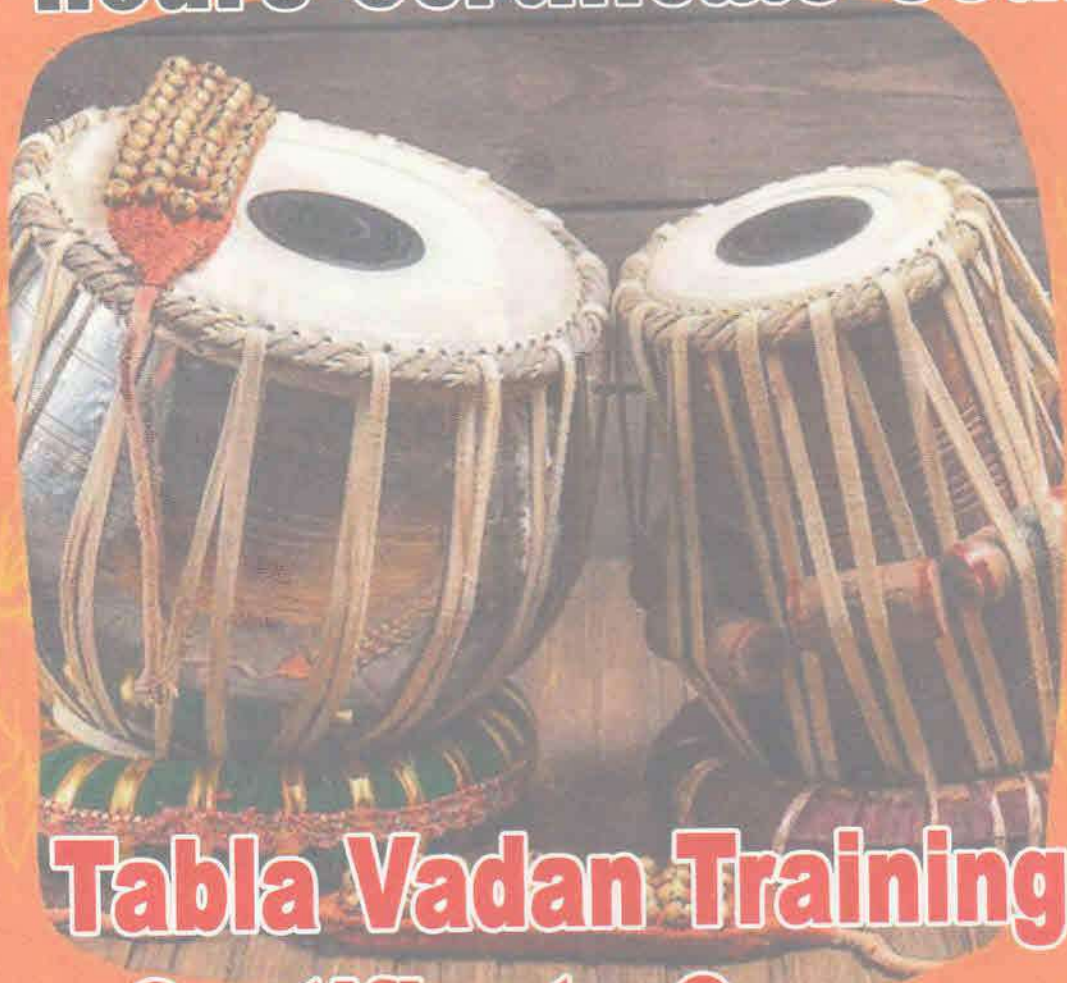


Tabla Vadan Training Certificate Course Course Code-TVTCC2022

Start from
12.02.2022

Trainer
Mr. Sanjiv Kumar Singh
Asst. Professor (Music)

Under Guidance of
Dr. Roli Dwivedi
Principal

ST. PAUL TEACHERS' TRAINING COLLEGE BIRSINGHPUR

Tabla Vadan Training Certificate Course

Instructor Name: Sanjiv Kumar Singh (Asst. Professor)

Email address: sanjeevkumarsmp89@gmail.com

Course Description

Emphasis on practical training in tabla playing techniques and repertoire Theoretical knowledge of tabla and Indian classical music Opportunities to perform in concerts, recitals, and cultural events Experienced faculty with expertise in tabla playing Access to practice facilities and instruments

Course Goals

Student Basic tabla strokes (bols) and finger techniques, Rhythmic patterns (taals) and their variations, Tabla compositions (relas, and gats), Tabla accompaniment in Indian classical music, Tabla solo performances

Syllabus

Preliminary Schedule of Topics, Readings, and Assignments

- तबला परिचय
- तबला बोल, तबला पर अंगूलि चलाना, तबला बोल का अभ्यास
- कायदा, कायदा के प्रकार
- कायदा प्रस्तार,
- पलटा
- ताल, ताल के प्रकार, मात्रा, लय, विभाग
- तबला संगत, मंच पर तबला संगत
- रेला, लगी


Principal

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur



ST. PAUL TRAINING COLLEGE BIRSINGHPUR

30 hours Certificate Course

Harmonium Vadan Training Certificate Course Course Code-HVTCC2021

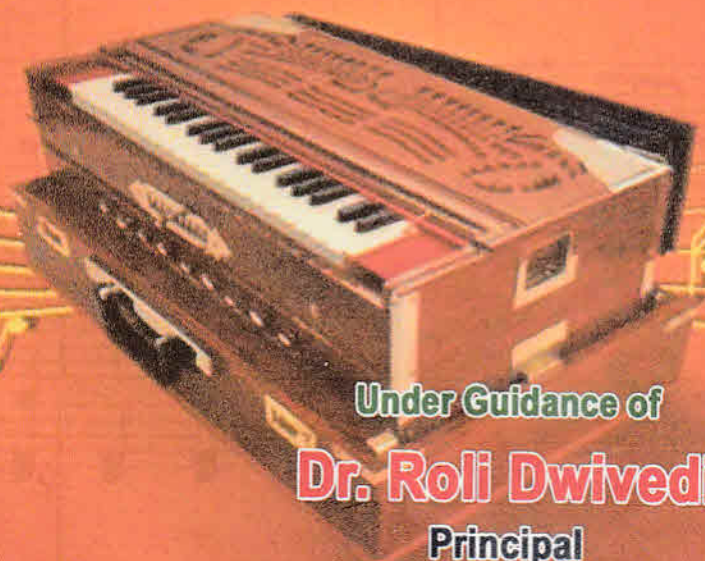
Start from 15.01.2021

Trainer

Mr. Sanjiv Kumar Singh
Asst. Professor (Music)

Under Guidance of

Dr. Roli Dwivedi
Principal





ST. PAUL TEACHERS' TRAINING COLLEGE BIRSINGHPUR

Harmuniyam Vadan Training Certificate Course

Instructor Name: Sanjiv Kumar Singh (Asst. Professor)

Email address: sanjeevkumarsmp89@gmail.com

Course Description

The certificate course in harmonium and keyboard is a short-term course designed to provide students with the basic knowledge and skills required to play these instruments.

The course is suitable for beginners who have no prior knowledge of music or have very little experience with these instruments.

The course covers various aspects of music such as notation, rhythm, melody, harmony, and composition.

Students will learn to play different types of songs, including classical, folk, and modern.

The course will provide students with an opportunity to perform in front of an audience and gain confidence in their abilities.

Syllabus

Topics, Readings, and Assignments

- हारमोनियम परिचय, सप्तक, शुद्ध स्वर, विकृत स्वर
- सरगम, सरगम के प्रकार
- हारमोनियम स्वरलिपि
- ताल, मात्रा, लय
- गीत बजाना स्वरलिपि के द्वारा
- राग, गीत सुन के हारमोनियम बाजाना
- संगत करना


Principal

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Mahuri, Samastipur



ST PAUL TEACHERS' TRAINING COLLEGE BIRSINGHPUR

30 hours Certificate Course

**“Craft Making
Certificate Course”**

Course Code-CMCC2021

Start from 21.01.2021

Under Guidance of

Dr. Roli Dwivedi

Principal

Trainer

Mr. Narendra Kumar

Asst. Professor (Fine Art)





ST. PAUL TEACHERS' TRAINING COLLEGE BIRSINGHPUR

Craft Making Certificate Course

Trainer Name: Narendra Kumar (Asst. Professor)

Mobile No.: 9939231767

About the Course:

Learn in Drawing Drawing Exercises Drawing Measurement Freehand Drawing Decorative Craft Bottle Decoration String Art Dia Decoration Creative Craft Lamp Making Stencil Art Weaving Craft Clay Craft Paper Mache Relief Work Indian Art Styles Warli Painting Lippan Art.

Course Content

Theory

- Introduction of Art & Craft
- Introduction of Materials
- Colour Theory

Craft with Paper

- Paper Craft
- Paper Collage
- Paper Origami
- Paper Bags
- Flower Making

Craft Painting

- Mosaics
- Peepal Leaf Painting
- Block Printing
- Emboss Painting
- Pot Painting
- Aluminium Emboss Painting

Learn in Drawing

- Drawing Exercises
- Drawing Measurement
- Freehand Drawing

Decorative Craft

- Bottle Decoration
- String Art
- Dia Decoration



ST. PAUL TEACHERS' TRAINING COLLEGE BIRSINGHPUR

Creative Craft

- Lamp Making
- Stencil Art
- Weaving Craft

Clay Craft

- Paper Mache
- Relief Work

Indian Art Styles

- Warli Painting
- Lippan Art

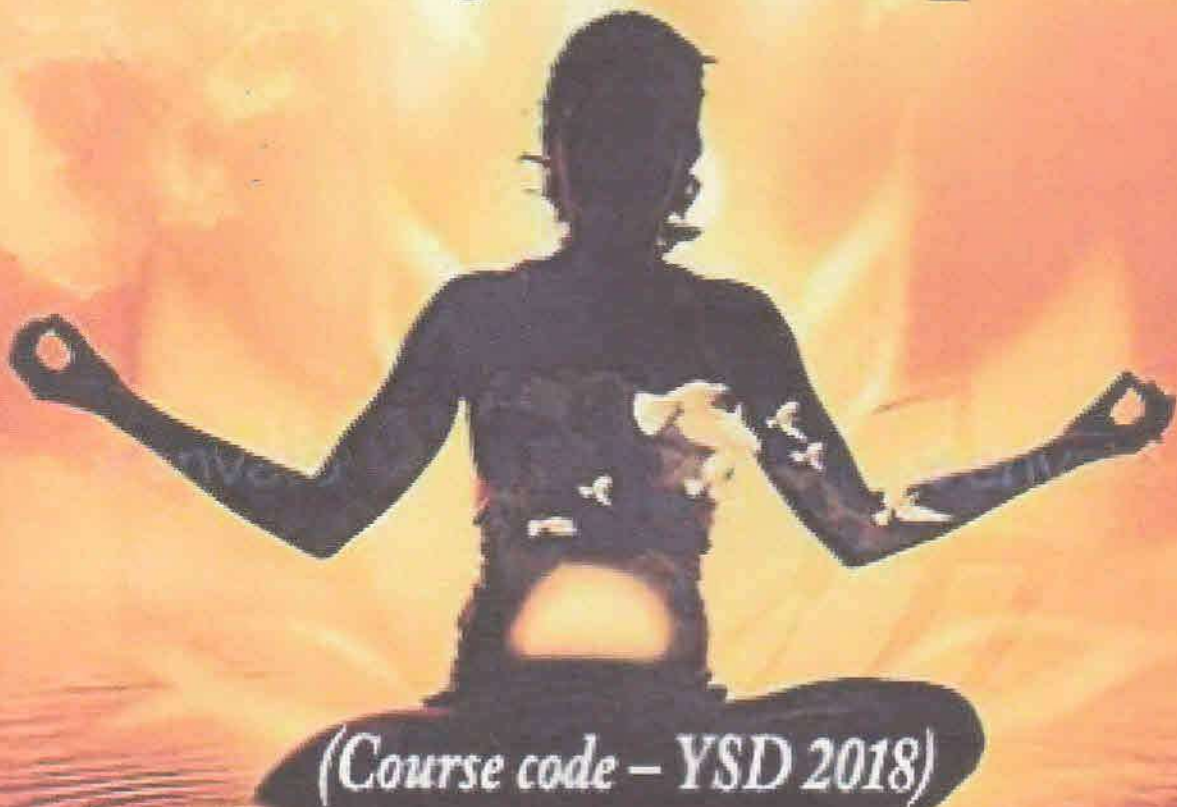

Principal

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

St. Paul Teachers' Training College
WHAT WE OFFER *Birsinghpur*

YOGA

For Self Discipline



(Course code - YSD 2018)

Under Guidance of
Dr. Roli Dwivedi
Principal

Trainer
Yoga Guru
Pran Dev

St. Paul Teachers' Training College Birsinghpur

SYLLABUS

Session 2018-19

YOGA FOR SELF DISCIPLINE

	TOPIC	HOURS
UNIT -01	INTRODUCTION TO YOGA AND ASANA.	15hrs.
UNIT -02	PRACTICAL YOGA CLASS	20 hrs.
UNIT-03	PRANAYAM	14 hrs.
TOTAL HOURS		49hrs.


PRINCIPAL
PRINCIPAL

St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jmahuri, Samastipur



ST PAUL TEACHERS' TRAINING BIRSINGHPUR, SAMASTIPUR

30 hours Certificate Course

**Drawing Training
Certificate Course
Course Code-DTCC2019**

Start from 18.09.2019



Under Guidance of

Dr. Roli Dwivedi

Principal

Trainer

Mr. Narendra Kumar

Asst. Professor (Fine Art)



ST. PAUL TEACHERS' TRAINING COLLEGE BIRSINGHPUR

Drawing Training Certificate Course

Trainer Name: Narendra Kumar (Asst. Professor)

Mobile No.: 9939231767

Benefits of Certification:

- Certificate Valid for Lifetime.
- Lifetime Verification of Certificate.
- Free Job Assistance as per your Interest Area.

Syllabus

Sketching: Meaning, art work, important elements, definition of sketching, method of sketching, painting, sketching from memory, architecture, key element of composition.

Principles of Drawing: Meaning, art work, important elements, appreciation of the painting, paper, brushes, colors, texture, Miscellaneous.

Pencil Drawing: Pencil: the medium, materials and equipment, techniques, sketching, sketching the cityscape, composition, paper, accessories, holding the pencil, movement of the hand, lines and strokes, landscape sketching.

Dry and Wet Painting: Art work, important elements, madhubani painting, warli painting, kalamkari painting, appreciation of the painting.

Glass Painting: objectives, Materials, watercolor portraiture, how to a paint a portrait, demonstration, arrange and draw, male characteristics features of madhubani painting, appreciation of the painting.

Memory Drawing: Introduction, objectives, Indian painting, spatial distribution, modern paintings, pre historic, classical, modern Indian painting, European artists in India, general characteristics, Indian and European aesthetic sensibility, recall images, appreciation of sculpture.

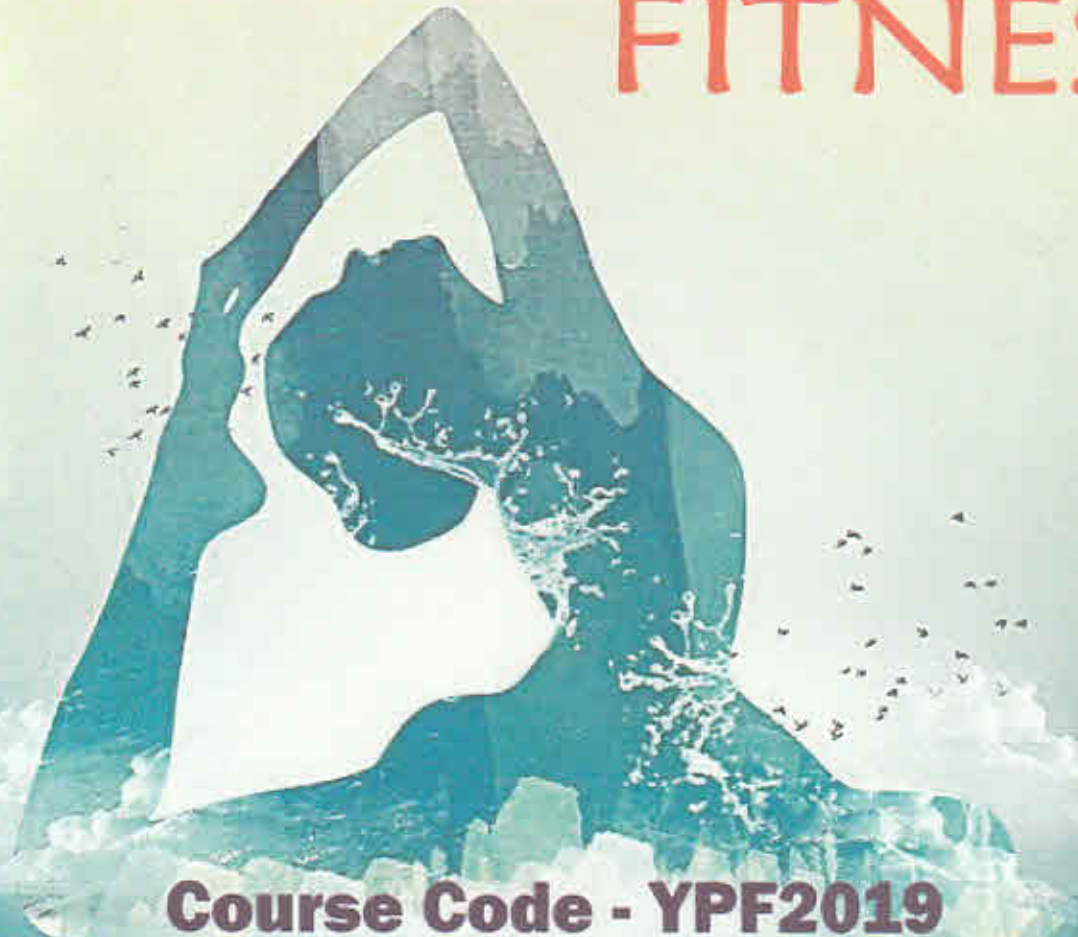

Principal

PRINCIPAL
St Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

**St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur**



WHAT WE OFFER
YOGA PROGRAMME
For
FITNES



Course Code - YPF2019

Under Guidance of
Dr. Roli Dwivedi
Principal

Trainer
Yoga Guru
Pran Dev

St. Paul Teachers' Training College Birsinghpur

SYLLABUS

Session 2020-21

YOGA PROGRAMME FOR FITNESS		HOURS
TOPIC		
UNIT -01	INTRODUCTION TO YOGA AND ASANA.	15hrs.
UNIT -02	PRACTICAL YOGA CLASS	20 hrs.
UNIT-03	PRANAYAM	14 hrs.
UNIT-04	HOW TO ARRENGE YOUR FITNESS BY YOGIC EXERCISE	15 hrs.
TOTAL HOURS		54 hrs.


PRINCIPAL
PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jharkhand, Sasaram district